



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4PD1493	ImageGroup:	I4PD1552
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	མང་ཐོས་ཀྱི་སྒྲུབ་རྒྱུ་མཆོའི་གསུང་ཕྱོགས་བསྟུས། mang thos klu sgrub rgya mtsho'i gsung phyogs bsdu/
Author:	ཀྱི་སྒྲུབ་རྒྱུ་མཆོ klu sgrub rgya mtsho
Descriptor:	gsung phyogs bsdu 'di'i nang du/ gsung ngag slob bshad snang gsum khrid yig zla ba bdud rtsi'i thig phreng skal bzang ku mud gsal ba'i kha 'byed sogs 'bras spungs gnas bcu lha khang du bzhugs pa'i rtsa che spar ma 'ga'ang bzhugs/
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	3
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US.

726

മുഖപത്രപ്രസിദ്ധീകരണത്തിനായി
മുഖപത്രപ്രസിദ്ധീകരണത്തിനായി

മുഖപത്രപ്രസിദ്ധീകരണത്തിനായി

മുഖപത്രപ്രസിദ്ധീകരണത്തിനായി

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

931
932
933

 පානග්‍රාහකා පුරුෂාදිනාපපාපුරාපා...

 පුරුෂාදිනාපපාපුරාපා...

 පුරුෂාදිනාපපාපුරාපා...

 වපුපා...

 කිං...

 ද්‍රව...

 පුරුෂ...

 පුරුෂ...

[illegible]

၁၅၁
 ၁၅၂
 ၁၅၃
 ၁၅၄
 ၁၅၅
 ၁၅၆
 ၁၅၇
 ၁၅၈
 ၁၅၉
 ၁၆၀
 ၁၆၁
 ၁၆၂
 ၁၆၃
 ၁၆၄
 ၁၆၅
 ၁၆၆
 ၁၆၇
 ၁၆၈
 ၁၆၉
 ၁၇၀
 ၁၇၁
 ၁၇၂
 ၁၇၃
 ၁၇၄
 ၁၇၅
 ၁၇၆
 ၁၇၇
 ၁၇၈
 ၁၇၉
 ၁၈၀
 ၁၈၁
 ၁၈၂
 ၁၈၃
 ၁၈၄
 ၁၈၅
 ၁၈၆
 ၁၈၇
 ၁၈၈
 ၁၈၉
 ၁၉၀
 ၁၉၁
 ၁၉၂
 ၁၉၃
 ၁၉၄
 ၁၉၅
 ၁၉၆
 ၁၉၇
 ၁၉၈
 ၁၉၉
 ၂၀၀

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

८ पदे पदे सुखाभाषायाः समाप्ता

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीपा॥ अमात्रादिनाष्टात्रय॥

—

—

1892

51



此乃本朝所定之律也

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

७। अनादिं च मयः पश्यन्तु ब्रह्मणोऽपि न भवेत् । अनादिं च मयः पश्यन्तु ब्रह्मणोऽपि न भवेत् ।

5/5/91



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

४१ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १५ ॥

卷之四
 四



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

২৭

[illegible]

[illegible]

991

[illegible][illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

59

[illegible]

[illegible]

1991

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

199

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

255

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सर्वपापक्षयार्थं सर्वविघ्नहर्त्रेण । सर्वकल्याणकारिण्यै नमः । सर्वपापक्षयार्थं सर्वविघ्नहर्त्रेण । सर्वकल्याणकारिण्यै नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

997

[illegible]

[illegible]

1991

॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

1991

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

[illegible]

10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

291

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1
[Text in a single line within a rectangular border, written in a cursive script.]

299

[illegible][illegible]

[illegible]

194

[illegible][illegible]

(Faint handwritten text across the bottom margin)

इति च त्रयोविंशत्यध्यायः समाप्तः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥

[illegible]

(The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blur and low contrast.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1657

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

531

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[illegible]

227

[illegible]

[illegible]

1957

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन् मामाकरोतु । शूरा महेष्वाहा द्रुपद उग्रशरः
विभीषणश्चैव महाबलवान्धर्मप्रभुः । भीमार्जुनसमा
व्यसेनश्चैव पाण्डवकुशलप्रभुः । द्रुपदश्चैव वीर्यवान्
द्रुपदश्चैव वीर्यवान् । अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन् मामाकरोतु । शूरा महेष्वाहा द्रुपद उग्रशरः
विभीषणश्चैव महाबलवान्धर्मप्रभुः । भीमार्जुनसमा
व्यसेनश्चैव पाण्डवकुशलप्रभुः । द्रुपदश्चैव वीर्यवान्
द्रुपदश्चैव वीर्यवान् ।

[illegible]

191

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1257

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

1937

[illegible]

[illegible]

99

[illegible]

२३८। अथ कर्त्तव्यमपरेण यथाकामं च ॥ १५०॥ अथ कर्त्तव्यमपरेण यथाकामं च ॥ १५०॥ अथ कर्त्तव्यमपरेण यथाकामं च ॥ १५०॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2991

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

६३८५

34764

[illegible]

101
[Text in Tibetan script, likely a manuscript page. The text is written in a cursive style and is enclosed in a rectangular border. The script is dense and fills most of the page area.]

[illegible]

90

[illegible]

[illegible]

199

[illegible]

1871

225

[illegible]

151

पुनः प्रपन्न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥

[illegible]

2997

॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामका पांडवाश्चेन्धर्मो विजयीत ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

155

[illegible]

[illegible]

991

[illegible]

[illegible]

1991

३३३

[illegible]

[illegible]

551

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script]

[illegible][illegible][illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

99

[illegible]

[illegible]

1501

[illegible][illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

1531

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवदत्तपुत्रः कुरुक्षेत्रे श्रीकृष्णाय नमः ।
 केन पाप्मानं चित्तं व्यथयति पशुना यच्छ्रवणात् । यथा ह्यनुभूयते तत्रैव निश्चयः स्यात् ।
 ॥ १ ॥ श्रीकृष्णाय नमः । देवदत्तपुत्रः कुरुक्षेत्रे श्रीकृष्णाय नमः ।
 परमं धर्मं विसृज्य । देवदत्तपुत्रः कुरुक्षेत्रे श्रीकृष्णाय नमः ।
 पुनरनुभवमेव प्रीत्यारम्भम् । किञ्चिन्निराकरुणी ।
 सुप्रसादात् प्रीत्या चित्तं व्यथयति पशुना यच्छ्रवणात् ।

591

[illegible][illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

591

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

91

[illegible][illegible]

[illegible]

1521

[illegible][illegible]

[illegible]

129

[illegible][illegible]

[illegible]

1931

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

[illegible]

[illegible]

191

[illegible]

[illegible]

591

[illegible][illegible]

[illegible]

99

[illegible]

[illegible]

169

[illegible]

52

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No. 1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

1591

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1251

[illegible]

[illegible]

७७१

३३

३४

३५

॥ दण्डस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥
 विनाशस्तु यदेतत् ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥
 देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥
 या ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥
 दृष्टिपथस्य मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥
 देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥ देवस्य पुत्रोऽपि मया ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

臣等

565

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1321

五

金

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

297

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

۱۹۹

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

1951

五

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डवाश्चैव ततः परः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1291

[illegible]

[illegible]

199

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

[illegible][illegible]

[illegible]

199

[illegible][illegible][illegible]

[Faint handwritten text across the bottom margin]

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ छेक्यनसत्रैवदहक्यपमो नुदसंयसप्रुषत्रैवदहस्रुषदगम् । यैसा सुदधुर्महदमठसदा दयेकसदेहेदमथभईमप्रुषतद्रहा मसदेक्यनसत्रैवदहक्यपमो नुदसंयसप्रुषदगम् । छेक्यनसत्रैवदहक्यपमो

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

विष्णु पञ्चमहात्म्यम्



ॐ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥



अ। सर्वदयालुतामयै नमः ॥

